आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव आँचल

वर्ष 47 अंक 49 (प्रति रविवार) इंदौर, 25 अगस्त से 31 अगस्त 2024 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

औद्योगीकरण की दिशा में तेजी से बढ़ रहा उज्जैन : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन औद्योगीकरण की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में टेक्सटाइल उद्योग अहम भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मालवांचल में टेक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रोजेक्ट तैयार करने एवं उद्योगों में महिला सुरक्षा के लिए भी पुलिस प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

बेस्ट अपेरल इकाई 1000 से अधिक लाड़ली बहनों को प्रदान कर रही रोजगार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को उज्जैन के नागझिरी स्थित बेस्ट लाइफ स्टाइल इंडस्ट्रीज (वस्त्र उद्योग) का भ्रमण किया। उन्होंने यहां लगभग 1000 से अधिक महिलाओं द्वारा किए जा रहे वस्त्र निर्माण के कार्यों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यरत महिलाओं से आत्मीय चर्चा कर उनके कार्य की सराहना भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मशीन भी चलाई। उद्योग में कार्यरत लगभग 1000 से अधिक महिलाओं ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वस्त्र तैयार कर रही महिला कारीगरों से वेतन और घर-परिवार के बारे में चर्चा की।

महिला कारीगरों ने बताया कि रोजगार मिलने से संतुष्ट हैं। अब घर-परिवार चलाने में किसी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं हो रही है और हम आत्मनिर्भर हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेस्ट लाइफ स्टाइल कार्यालय में अधिकारियों के साथ उज्जैन में औद्योगिक विकास की गतिविधियों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि उज्जैन को मेडिकल टूरिज्म डेस्टिनेशन बनाने की दिशा में तेजी से प्रयास किए जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में अपनी औद्योगिक इकाई स्थापित करने के इच्छुक देश के प्रमुख उद्योगपतियों से प्राप्त प्रस्तावों में निवेश के लिए शीघ्र भूमि उपलब्ध कराई जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बेंगलुरु की तरह उज्जैन में भी आईटी पार्क स्थापित किया जाए जिससे मालवा के आईटी इंजीनियर को रोजगार प्राप्त हो सकेगा और उज्जैन स्टार्ट-अप का हब बन सके। उन्होंने जल्द आईटी पार्क के लिए भूमि आवंटन किए जाने के निर्देश जिला प्रशासन को दिए।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि उज्जैन के बेस्ट अपेरल पार्क में तैयार किये जा रहे वस्त्र उच्च गुणवत्ता व अंतर्राष्ट्रीय मानक स्तर के हैं। यहाँ से तैयार किये गये वस्त्र अमेरिका, कनाडा आदि देशों में निर्यात किये जा रहे हैं, जिससे उज्जैन का नाम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर औद्योगिक क्षेत्र के रूप में उभर रहा है।

उज्जैन का समृद्ध वस्त्र उद्योग अब पुनर्जीवित हो रहा है। उज्जैन की महिलाओं के कौशल का डंका पूरे विश्व में बज रहा है। इसी के साथ उन्होंने निर्देशित किया कि बेस्ट अपेरल पार्क में शीघ्र ही नाईट शिफ्ट भी शुरू की जाये, जिससे अधिक महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा सकेगा।उन्होंने कहा कि इंदौर की तरह उज्जैन में भी रेडीमेड कॉम्प्लेक्स, प्लग एंड प्ले औद्योगिक पार्क का विकास किया जाए। उन्होंने विक्रम उद्योग की सफलता को और अधिक विस्तार देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने किसानों को कपास की खेती के लिए भी प्रोत्साहित करने की बात कही और कहा कि कृषकों की आमदनी बढ़ाने के लिये उद्योगों में कच्चा माल स्थानीय स्तर से लिया जाये।

दरिंदे संजय रॉय की बाइक कोलकाता पुलिस कमिश्नर के नाम पर रजिस्टर्ड है?

कोलकाता। कोलकाता में तनाव बढ़ गया है क्योंकि 9 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 31 वर्षीय डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के जवाब में राज्य सचिवालय, नबन्ना की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों के साथ दंगा पुलिस की झड़प हो गई। अधिकारियों ने आंसू गैस के गोले तैनात किए हैं। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें की गईं, जिन्होंने जवाब में पुलिस पर पथराव किया। स्थिति अस्थिर बनी हुई है क्योंकि कानून प्रवर्तन लगातार बढ़ते अराजक दृश्य को नियंत्रित करने के लिए संघर्ष कर रहा है। वहीं अब इस केस को लेकर हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। कोलकाता पुलिस और टीएमसी के अनुसार, आरजी कर एमसीएच बलात्कार और हत्या मामले में आरोपी संजय रॉय उस भयानक रात को कोलकाता पुलिस आयुक्त के नाम पर रंजीस्टर्ड बाइक चला रहा था।

वहीं कमिश्नर, जिन्होंने बिना उचित जांच के इसे आत्महत्या बता दिया। बीजेपी मीडिया सेल के हेड अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा कि पूरे समय ममता बनर्जी लगातार उनके संपर्क में रहीं। यह गंभीर है और इसकी जांच की जरूरत है। स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच के लिए ममता बनर्जी और कोलकाता पुलिस आयुक्त दोनों को तुरंत पद छोड़ना चाहिए।

मालवीय ने लिखा कि महिला डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के पीछे की साजिश का पता लगाने के लिए सीबीआई को उन्हें हिरासत में लेना चाहिए, उनके फोन रिकॉर्ड की जांच करनी चाहिए और उनका पॉलीग्राफ टेस्ट कराना चाहिए। क्या मृतक को चेस्ट मेडिसिन विभाग में नकली दवाओं के सिंडिकेट के बारे में कुछ पता चला था, जैसा कि चिकित्सा जगत के लोग आरोप लगा रहे हैं? वह एक पल्मोनोलॉजिस्ट थीं और उदाहरण के लिए, टीबी दवाओं की बड़ी खेप करदाताओं के पैसे से खरीदी जाती है। क्या कोई सिंडिकेट है, जो मूल दवाओं को पड़ोसी देशों में निर्यात कर रहा था और उनके स्थान पर पतला/ दूषित नमूने ले रहा था? इसमें बहुत सारी परतें हैं। सीबीआई के पास एक कठिन काम है, क्योंकि कोलकाता पुलिस और ममता बनर्जी ने सभी सबूतों को खत्म करने और इसमें शामिल लोगों को बचाने के लिए हर संभव कोशिश की है

के कविता को दिल्ली शराब नीति मामले में मिली जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में मनीष सिसोदिया के बाद अब के कविता को भी जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में बीआरएस एमएलसी के कविता को जमानत दे दी। अदालत ने मामले में की जा रही जांच की प्रकृति को लेकर सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय की खिंचाई की। तेलंगाना के पूर्व सीएम के.चंद्रशेखर की बेटी के कविता 15 मार्च से हिरासत में हैं। सुनवाई के दौरान, जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई से पूछा कि उनके पास यह साबित करने के लिए क्या सामग्री है कि के कविता कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले में शामिल थीं। कविता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने जमानत की मांग करते हुए कहा कि उनके खिलाफ दो एजेंसियों द्वारा जांच पहले ही पूरी की जा चुकी है। उन्होंने दो मामलों में सह-आरोपी आप नेता मनीष सिसौदिया को जमानत देने के शीर्ष अदालत के फैसले का भी जिक्र किया। जांच एजेंसियों की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि के कविता ने अपना मोबाइल फोन फॉर्मेट कर दिया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि उनका व्यवहार सबूतों के साथ छेड़छाड़ जैसा है। के कविता के वकील ने आरोप को फर्जी बताया। बाद में बेंच ने एजेंसियों के वकील से कड़ा सवाल पूछा। इसमें राजू

संपादकीय

दूध बेचने वाले भंगू ने की 45000 करोड़ की ठगी, जेल में मौत

पर्ल ग्रुप के अध्यक्ष निर्मल सिंह भंगू की मौत हो गई है। उनके ऊपर 45000 करोड़ रुपए की ठगी के आरोप थे। जिन्होंने देश भर में 5 लाख से अधिक लोगों को ठगा। हजारों करोड़ रुपए की धन संपदा इकट्ठी की। वह 2016 से तिहाड़ जेल में ठगी के आरोप में बंद थे। हजारों करोड़ों रुपए की संपत्ति के मालिक होते हुए भी, उन्हें अपनी अंतिम सांसें जेल में लेनी पड़ी। जेल में उनको हार्ट अटैक का दौरा पड़ा। जेल कर्मचारी उन्हें अस्पताल लेकर गए। डीडीयू के अस्पताल ने उन्हें मृत घोषित कर दिया है। मृतक भंगू भारत और पाकिस्तान की सीमा से लगे अटारी गांव का रहने वाला था। उसका बचपन दूध बेचने में बीता। पैसे कमाने के लिए वह कोलकाता पहुंचा। घोटाले का मास्टर माइंड निर्मल सिंह कोलकाता स्थित कंपनी पियरलेस के संपर्क में आया। वहां उसने चिटफंड कंपनी का काम सीखा उसके बाद वह गोल्डन फॉरेस्ट इंडियन कंपनी से जुड़ा। कुछ साल बाद यह कंपनी बंद हो गई। उसके बाद निर्मल सिंह ने अपनी पर्ल गोल्डन फॉरेस्ट कंपनी बनाई। 1996 में इस कंपनी का नाम बदलकर पीसीएल कर दिया। यह अपनी कंपनी में लोगों को 5 साल में पैसा दुगना करने का भरोसा दिलाता था। देश के कई राज्यों में इसने 5 लाख से अधिक लोगों के पैसे अपनी कंपनी में जमा कराए। पैसा जमा करने के लिए यह अपने एजेंटों को भारी कमीशन देता था। लोग 5 साल में पैसा दुगने होने के लालच में कंपनी में पैसा जमा करते थे। एजेंट ज्यादा कमीशन मिलेगा, इस लालच में लोगों को अपने जाल में फंसाते थे। निर्मल सिंह ने कई कंपनियों का एक समूह तैयार कर लिया था। जिसमें प्रॉपर्टी और एनएफसी बैंकिंग की तरह काम किया जाता था। लोग किस्तों में पैसे जमा करते थे, कंपनी एफडी भी जारी करती थी। कंपनी पर ठगी और धोखाधड़ी के आरोप लगे। 8 जनवरी 2016 को सीबीआई ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। तब से वह तिहाड़ जेल में बंद था। कुल मिलाकर हजारों करोड़ों रुपए का मालिक भंगू के कुछ साल तो ऐशो आराम में गुजारे। लेकिन अपना अंतिम समय जेल में बिताना पड़ा। जो प्रतिष्ठा अर्जित की थी, वह गँवानी पड़ी। जेल में ही उसकी मौत हो गई। कुछ इसी तरह की कहानी सहारा प्रमुख सुब्रतो राय की थी। वह पहले पत्रकारिता से जुड़े, बाद में वह भी पीयरलेस जैसी चिटफंड कंपनियों के संपर्क में आए। उन्होंने भी सहारा इंडिया के नाम से कंपनी बनाई। लोगों को जल्द जमा पैसे पर रिटर्न देने का वादा किया। बैंक में जब 7-8 साल में पैसे डबल होते थे। उस समय सहारा कंपनी ज्यादा रिटर्न देने का लालच देकर लोगों के पैसे अपनी कंपनी में जमा कराते थे। सुब्रत राय की भी 14 नवंबर 2023 को मौत हो गई। 2.82 लाख करोड़ की संपत्ति के मालिक सुब्रतो राय को 2 साल जेल में रहना पड़ा। आज भी सहारा कंपनी में जिन लोगों ने पैसे निवेश किए थे। वह उन्हें अभी तक वापस नहीं मिले। सहारा समूह के सुब्रत राय का कारोबार बड़ी तेजी के साथ पूरे देश भर में फैला था। लाखों करोड़ रुपए की कंपनी सहारा बन गई थी। जैसे ही पैसा जमा होना शुरू हुआ। सुब्रतो राय ने जमा पैसे का उपयोग फिल्म निर्माण, मीडिया, विमानन कंपनी, खेलों के प्रायोजित करने और रियल एस्टेट का व्यापार करने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश करना शुरू कर दिया था। जिन-जिन क्षेत्रों में सहारा ने निवेश किया। वहां से उनको प्रतिफल नहीं मिला। विमानन कंपनी घाटे में चली गई। मीडिया कंपनी घाटे में थी। राजनेताओं और नौकरशाही को सहारा समूह द्वारा भारी चंदा और रिश्वत दी गई। सहारा प्रमुख भी अपने निवेशकों की जमा राशि को वापस नहीं कर पाए। 4 जनवरी 2010 को इंदौर के रोशन लाल ने सहारा रियल एस्टेट और सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट द्वारा जारी बांड के बारे में एनएचबी में शिकायत की थी। शिकायत सही पाई गई, सीबीआई ने सहारा प्रमुख को जेल भेज दिया। जेल में रहते हुए इन्हें हजारों करोड़ों रुपए सेबी में जमा करने पड़े। सारी संपत्ति जांच एजेंसियों के कब्जे में है। जैसे खाली हाथ आए थे, वैसे ही खाली हाथ सुब्रतो राय सहारा को भी भगवान के पास जाना पड़ा। लालच की खेती का कुछ इसी तरह का परिणाम देखने को मिलता है। निवेशक ज्यादा लाभ पाने के लालच में निवेश करते हैं। इसका फायदा ठगी करने वाले ठग उठाते हैं। लाखों लोग सहारा में निवेश करके ठन-ठन गोपाल हो गए। सहारा का पैसा सेबी और वित्त मंत्रालय के पास जमा है।

जम्मू-कश्मीर चुनाव से नये दौर की उम्मीद

ललित गर्ग

जम्मू एवं कश्मीर में तीन चरणों में विधानसभा चुनाव कराने की चुनाव आयोग की घोषणा निश्चित ही लोकतंत्र की जड़ों को मजबूती देने के साथ क्षेत्र के लिए विकास के नए दौर के द्वार खोलने का माध्यम बनेगी। जम्मू-कश्मीर की 90 सीटों पर विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसमें 43 जम्मू और 47 कश्मीर की सीटें हैं, इन चुनावों में जम्मू-कश्मीर के लोग सक्रिय रूप से भाग लेकर और बड़ी संख्या में मतदान कर ऐसी सरकार बनाये जो शांति और विकास के नये द्वार उद्घाटित करते हुए युवाओं के लिए उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करे एवं आतंकमुक्ति का एक नया अध्याय रचे। आज सबकी आंखें एवं कान चुनावी सरगर्मियों एवं भविष्य के गर्भ में ईवीएम से निकलने वाले जनादेश पर लगी हैं। ये चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होने के साथ प्रांत में नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। इस बार के चुनाव अब तक हुए चुनावों से अलग है और खास है।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन भरने की आज आखिरी तारीख है, लेकिन तमाम बड़ी पार्टियों के बीच असमंजस और अनिश्चितता जैसे खत्म होने का नाम नहीं ले रही। हालांकि कुछ हद तक इस तरह की अनिश्चितता हर चुनाव में होती है, लेकिन जम्मू-कश्मीर के मामले में हालात सामान्य से ज्यादा जटिल हैं और इस असमंजस के पीछे उसकी भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। विपक्षी खेमे में माने जाने वाले राज्य के तीनों प्रमुख दलों में सहयोग और संघर्ष दोनों का दिलचस्प घालमेल दिख रहा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के बीच सभी 90 सीटों पर गठबंधन की घोषणा कर दी गई है, लेकिन आलम यह है कि पहले चरण की 24 सीटों का भी बंटवारा मुश्किल साबित हो रहा। पीडीपी इस गठबंधन से बाहर है। फिर भी मुद्दों की एकरूपता के चलते न सिर्फ उमर अब्दुल्ला उससे अपनी पार्टी के खिलाफ प्रत्याशी न खड़ा करने को कह रहे हैं बल्कि खुद महबूबा भी कह चुकी हैं कि अगर उनके अजेंडे को स्वीकार किया गया तो गठबंधन का समर्थन करेंगी। भाजपा किसी बड़े दल के साथ गठबंधन में नहीं है, इसलिए वहां इस तरह की गफलत नहीं है, लेकिन निर्णय लेना और उसे लागू करना वहां भी जटिल बना हुआ है। जम्मू-कश्मीर में दस वर्ष बाद होने जा रहे विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा को अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर उसे जिस तरह वापस लेना पड़ा, उससे उसकी छिछालेदार तो हुई ही है, अनुशासित दल की उसकी छवि को धक्का भी लगा। स्थिति यह है कि पार्टी ने सोमवार को 44 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करने के थोड़ी ही देर बाद व्यापक विरोध के कारण उसे वापस ले लिया। इसके बाद जो सूची जारी की गई, उसमें 15 ही प्रत्याशियों के नाम थे। यह आलम तब है, जब पहली सूची भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में मंजूर की गई थी।

यदि भाजपा औरों से अलग तथा अनुशासित दल की अपनी छवि के प्रति सचेत है तो उसे प्रत्याशी चयन की अपनी प्रक्रिया को लोकतांत्रिक आकार देना ही होगा। पहले जारी सूची का विरोध जिन कारणों से हुआ, उनमें एक तो दूसरे दलों से आए नेताओं को प्रत्याशी बनाना रहा और दूसरे दोनों पूर्व उप मुख्यमंत्रियों का नाम न होना। लगता है भाजपा को अभी भी लोकसभा चुनावों में हुई गलतियों का आभास नहीं है। लोकसभा चुनाव में उसे दूसरे दलों के नेताओं को चुनाव मैदान में उतारने का किस तरह नुकसान उठाना पड़ा था। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए जारी प्रत्याशियों की सूची का विरोध यह भी बताता है कि भाजपा प्रत्याशी चयन की कोई नीर-क्षीर, पारदर्शी और ऐसी प्रक्रिया का निर्माण नहीं कर सकी है, जिससे असंतोष, विरोध और भितरघात का सामना न करना पड़े। वैसे यह समस्या केवल भाजपा की ही नहीं, सभी दलों की है। कम से कम यह तो होना ही चाहिए कि राजनीतिक दल प्रत्याशियों के चयन में अपने जमीनी कार्यकर्ताओं की राय को महत्व दें। यह कठिन कार्य नहीं, लेकिन हमारे राजनीतिक दल आंतरिक लोकतंत्र विकसित करने से बच रहे हैं।

चुनाव अभियान प्रारम्भ हो रहा है। प्रत्याशियों के नामांकन हो रहे हैं। सब राजनैतिक दल अपने-अपने 'घोषणा-पत्र' को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बताकर सब समस्याएं मिटा देने तथा सब रोगों की दवा बन जाने की नैतिकता की बातें करते हुए व्यवहार में अनैतिकता को छिपायेंगे। टुकड़े-टुकड़े बिखरे कुछ दल फेवीकॉल लगाकर एक होंगे। सत्ता तक पहुँचने के लिए कुछ दल परिवर्तन को आकर्षण व आवश्यकता बतायेंगे। इस बार दलों में जितना अन्दर-बाहर होता हुआ दिख रहा है, उससे स्पष्ट है कि चुनाव परिणामों के बाद भी एक बड़ा दौर असमंजस का चलेगा। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि ÷अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे।÷ इसलिये प्रांत के लोगों को मतदान करते हुए विवेक का परिचय देना होगा।

इन चुनावों की जटिलता का अंदाजा इस बात से भी लगता है कि एक दशक पहले यानी 2014 में हुए विधानसभा चुनाव के समय अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जे से लैस जम्मू-कश्मीर अब विशेष राज्य के दर्जे से भी वंचित है। उस चुनाव में दो सबसे बड़ी और मिलकर सरकार बनाने वाली पार्टियां पीडीपी और भाजपा एक-दूसरे की धुर विरोधी हो चुकी हैं। राज्य में अब भाजपा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हिन्दू बहुल सीटों और कश्मीरी पंडितों के वोट बैंक को अपने खाते में डालने के इरादे से मैदान में उतर रही है और ऐसे में कांग्रेस की हालत खराब होना तय माना जा रहा है। भले ही सभी क्षेत्रीय पार्टियों ने भाजपा के साथ गठबंधन करने से इंकार कर दिया है, लेकिन भाजपा की मजबूत स्थिति को देखते हुए भविष्य में क्षेत्रीय दलों के भाजपा के साथ बहती हवा में जाने की संभावनाओं से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। जम्मू-कश्मीर एक राज्य के रूप में शुरू से विशिष्ट रहा है, इस दृष्टि से वहां होने वाले चुनाव भी विशेष एवं अन्य राज्यों से भिन्न है। बड़ी बात यह है कि पार्टियां एक-दूसरे के बारे में चाहे जो भी कहें, ये सभी भारतीय संविधान के तहत लोकतांत्रिक ढंग से चुनाव में हिस्सेदारी कर रही हैं और जनादेश को भी स्वीकार करेंगी। निश्चित ही इन चुनाव परिणामों से उम्मीद जगी है कि यहां से जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक विकास और शांति-समृद्धि-स्थिरता का नया दौर शुरू होगा। ऐसा होना ही इन चुनावों की सार्थकता है।

जम्मू एवं कश्मीर के चुनाव अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेंगे बल्कि बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। वैसे तो हर चुनाव में वर्ग, जाति, सम्प्रदाय का आधार रहता है, पर इस बार वर्ग, जाति, धर्म, सम्प्रदाय व क्षेत्रीयता व्यापक रूप से उभर कर सामने आयेगी। मतदाता जहां ज्यादा जागरूक दिखाई दे रहा है, वहीं राजनीतिज्ञ भी ज्यादा समझदार एवं चतुर बने हुए दिख रहे हैं। उन्होंने जिस प्रकार चुनावी शतरंज पर काले-सफेद मोहरे रखे हैं, उससे मतदाता भी उलझा हुआ है। अपने हित की पात्रता नहीं मिल रही है। कौन ले जाएगा राज्य की एक करोड लाख पच्चीस लाख जनता को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विकास एवं शांति की दिशा में। सभी नंगे खड़े हैं, मतदाता किसको कपड़े पहनाएगा, यह एक दिन के राजा पर निर्भर करता है। चुनाव घोषित हो जाने से तथा प्रक्रिया प्रारंभ हो जाने से जो क्रियाएं-प्रतिक्रियाएं हो रही हैं उसने ही सबके दिमागों में सोच की एक तेजी ला दी है। प्रत्याशियों के चयन व मतदाताओं को रिझाने के कार्य में तेजी आती जायेगी। परम आवश्यक है कि सर्वप्रथम राज्य का वातावरण चुनावों के अनुकूल बने। राज्य ने साम्प्रदायिकता, आतंकवाद तथा अस्थिरता के जंगल में एक लम्बा सफर तय किया है। उसकी मानसिकता घायल है तथा जिस विश्वास के धरातल पर उसकी सोच ठहरी हुई थी, वह भी हिली है। पुराने चेहरों पर उसका विश्वास नहीं रहा। अब प्रत्याशियों का चयन कुछ उसूलों के आधार पर होना चाहिए न कि जाति और जीतने की निश्चितता के आधार पर। मतदाता की मानसिकता में जो बदलाव अनुभव किया जा रहा है उसमें सूझबूझ की परिपक्वता दिखाई दे रही है। ये चुनाव ऐसे मौके पर हो रहे हैं जब राज्य लम्बे दौर की विभिन्न चुनौतियों से जूझने के बाद शांति एवं विकास की राह पर अग्रसर है।

सोयाबीन फसल की कीमतें कम मिलने के विरोध में

किसान करेंगे 1 सितम्बर को मोहन सरकार का घेराव

इंदौर। प्रदेश में सोयाबीन फसल की कीमत अपने पिछले 10 साल के न्यूनतम स्तर पर चल रही है। वर्तमान में सोयाबीन की जो कीमत है वही कीमत 10 साल पूर्व भी थी। इसे लेकर किसानों में भारी असंतोष है। अब किसानों का यह असंतोष आंदोलन में परिवर्तित होता दिख रहा है। संयुक्त किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रमुख रंजीत किसानवंशी ने बताया कि सोयाबीन फसल के भाव की मांग को लेकर मध्यप्रदेश में एक बड़े किसान आंदोलन की रूपरेखा तय की गई है।

आंदोलन के प्रथम चरण में सितंबर के प्रथम सप्ताह में प्रत्येक गांव में ग्राम पंचायत सचिव को मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम ज्ञापन दिया जाएगा। 5000 गांव संयुक्त किसान मोर्चा के द्वारा चिन्हित कर लिए गए हैं। अन्य गांव में भी ज्ञापन के लिए किसानों से संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने बताया इस आंदोलन की रूपरेखा मध्यप्रदेश के सभी किसान संगठनों और सोयाबीन उत्पादक संघों के द्वारा तय की गई है। इसी के तहत सभी किसान अपने अपने ग्राम पंचायत पर सितंबर के प्रथम सप्ताह (1-7 सितंबर) सोयाबीन के दाम 6000 रु करो विषय पर ज्ञापन देंगे। इसके बाद 8 और 9 तारीख को भोपाल में प्रदेश के किसानों की बैठक आयोजित होगी और आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

घाटे में खेती कर रहा किसान-भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशअध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का सोयाबीन किसान लगातार घाटे में खेती कर रहा है वैसे भी खरीफ की फसल मौसम आधारित फसल होती है किसान मौसम की मार झेलता है वहीं ऊपर से फसल का सही काम न मिलने के कारण किसान बहुत बड़ी विपदा में है। मध्य प्रदेश सरकार को यदि किसानों को होने वाले घाटे से बचाना है तो सोयाबीन फसल को कम से कम 6000 पर खरीदी करनी पड़ेगी।

सोयाबीन के दाम लगातार गिर रहे-आम किसान यूनियन के राम इनानिया ने कहा कि सोयाबीन के दाम 10 साल पुराने रेट पर आ गए हैं। उन्होंने कहा कि 2013-14 में किसानों को जो दाम मिल रहा था, आज उसी दाम पर किसान सोयाबीन बेचने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में सोयाबीन की कीमतों में लगातार गिरावट आई है। हर साल सीजन से पहले दाम कम हो जाते हैं लेकिन इस साल दाम 3500 रुपये प्रति क्विंटल तक गिर गए हैं, जिससे किसानों के लिए उत्पादन लागत निकालना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने सरकार से अपील की है कि किसानों को हो रहे इस नुकसान से बचाने के लिए जल्द से जल्द कोई ठोस कदम उठाए जाएं।

किसान को फायदा होते ही सरकार दाम गिरा देती है

संयुक्त किसान मोर्चा के किसान नेता राहुल राज ने बताया कि बीते कई वर्षों से अतिवृष्टि के कारण किसान सोयाबीन में नुकसान उठाता आ रहा है। फिर भी देश को तिलहन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए किसान ने सोयाबीन बोना नहीं छोड़ा। खाद्यान्न तेल में आयात और निर्यात की नीति किसान हितैषी ना होते हुए कॉर्पोरेट हितैषी है। इसलिए जब हमारी फसलें पककर बाजार में जाती हैं तब निर्यात रोक दिया जाता है और आयात खोल दिया जाता है। ऐसे में दाम गिर जाते हैं जो की सही प्रचलन नहीं है। सरकार को गंभीरतापूर्वक किसानों के हित में आयात और निर्यात नीति पर काम करना होगा। आज सोयाबीन का समर्थन मूल्य 4892 है। इस दाम में वर्तमान महंगाई जहां खाद, बीज, कीटनाशक, लोहा सहित तमाम कृषि संसाधन महंगा होने पर किसान की लागत पूरी तरह निकलना संभव नहीं। इसलिए सोयाबीन के समर्थन मूल्य पर 1108 का अतिरिक्त बोनस देते हुए राज्य सरकार को सोयाबीन का भाव 6000 प्रति क्विंटल करना चाहिए। सोयाबीन के भाव को 6000 प्रति क्विंटल करने की इस मुहिम से पूरे प्रदेश का किसान जुड़ रहा है और तेजी के साथ यह मुद्दा गांव गांव तक पहुंच रहा है। ऐसे में हमारी मांग है कि सरकार किसानों की इस वाजिब मांग की गंभीरता को समझते हुए तत्काल निर्णय और किसानों के हित में सोयाबीन का भाव 6000 प्रति क्विंटल करे। आगामी दिनों में 1 से 7 सितंबर तक पंचायत स्तर पर सरपंच एवं सचिवों को मुख्यमंत्री के नाम इस मांग को लेकर के ज्ञापन दिए जाएंगे। मांग समय से पूरी ना होने पर आगे की रणनीति पर विचार कर इस मुहिम को प्रदेश व्यापी और तेज धार दी जाएगी।

सिटी बस के सफर पर भी महंगाई की मार

बिजली, सीएनजी, डीजल सबकी कीमतें स्थिर फिर भी बढ़ा रहे किराया

इंदौर। शहरवासियों को सिटी बस का सफर भी अगले महीने से महंगा पड़ने वाला है। सिटी बस प्रबंधन अर्थात एआईसीटीएसएल ने 1 सितंबर से किराए में बढ़ोतरी की है। इसके लिए हुई बैठक में किराया बढ़ाया जाने को मंजूरी दे दी गई। हालांकि अभी कई महीनों से ना तो सीएनजी की कीमतें बढ़ी है और ना ही बिजली और डीजल की कीमतों में इजाफा हुआ है। इसके बाद भी एआईसीटीएसएल ने किराया बढ़ाकर सिटी बस यात्रियों पर दोहरी मार मारी है। अगले महीने से सिटी बसों के किराये में बदलाव अनुसार 4 किलोमीटर तक के पहले जहां 10 रुपए लगते थे, अब 15 रुपए चुकाना होंगे। नायता मुंडला आईएसबीटी 1 सितंबर से शुरू होगा। एआईसीटीएसएल की सभी बसें यहां एकसाथ शिफ्ट नहीं होंगी। इन्हें चरणबद्ध तरीके से शिफ्ट किया जाएगा।

जानकारी अनुसार सिटी बसों में सफर का किराया बढ़ाए जाने को लेकर अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड में मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांक सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में इंटर सिटी, इंट्रा सिटी और इंटर स्टेट बसों के संचालन और प्लानिंग पर चर्चा की गई। यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने, ड्राइवर व कंडक्टर के व्यवहार, बसों की शेड्यूलिंग, यात्री पास, बसों की पार्किंग सहित सिस्टम को सेल्फ सस्टेनेबल बनाने पर बात हुई। सीईओ ने बताया कि करीब 400 बसों का संचालन नायता मुंडला से होना है। 1 सितंबर से बसों का संचालन यहां से शुरू होगा।

सामाजिक समरसता से समाज होगा मजबूत-चौधरी

इंदौर। विश्व हिंदू परिषद के 60 वे स्थापना दिवस पर हवा बंगला चौराहा स्थित अहिल्या परिसर गार्डन में विभिन्न आयोजन हो रहे है। यह जानकारी देते हुए ने जिला मंत्री पप्पू कोचले ने बताया कि कार्यक्रम में प्रांत उपाध्यक्ष मालासिंह जी ठाकुर, जिला अध्यक्ष प्रकाश सेवानी, सह सयोजक मोहन हटकर एवं अनिल पाटिल अतिथि थे। मुख्य वक्ता मुकेश चौधरी ने विश्व हिंदू परिषद के कार्य एवं उपलब्धि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज की मजबूती के लिए समरसता जरूरी है। सभी अतिथियो का स्वागत तलवार भेंट करके किया गया। मंच पर संत समाज विशेष रूप से उपस्थित थे। संचालन किया पप्पू कोचले ने। कार्यक्रम में हिंदू समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री को भुट्टे खिलाने वाली महिला के घर की बिजली काटी

इंदौर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को अपनी दुकान पर भुट्टा खिला चुकीं बुजुर्ग महिला मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंच गईं। उन्होंने मुख्यमंत्री के निर्देशों का पालन नहीं करने के आरोप लगाए और कहा मेरे तो घर में बिजली, पानी तक नहीं है। मुख्यमंत्री जो कह गए, उसे किसी ने नहीं सुना। मेरे घर की बिजली कट गई, मीटर निकाल ले गए। लोग कहते हैं कि जिसने कहा है, उसी से पैसे लेकर काम कराओ..। इधर, मामला सामने आने के बाद कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि मकान से जुड़ा आपसी विवाद है। निराकरण कानूनी प्रक्रिया के तहत होगा। बता दें कि 21 जुलाई को मुख्यमंत्री एक कार्यक्रम के लिए इंदौर आए थे। एयरपोर्ट से जाते समय वे रामचंद्र नगर में रुके और वहां भुट्टे बेच रही सुमनबाई पाटीदार से मिले थे। पानी-बिजली की समस्या सुमन ने बताई तो कलेक्टर को निराकरण के निर्देश दिए थे। अब करीब एक महीने बाद महिला फिर सामने आई और जनसुनवाई में जाकर कह दिया कि मुख्यमंत्री कहकर चले गए लेकिन वादा पूरा ही नहीं हुआ।

बिजली और पानी की समस्या बताते हुए रो पड़ीं-जनसुनवाई में आवेदन के बाद महिला सुमनबाई पाटीदार अपनी समस्या बताते हुए मीडिया के सामने रो पड़ीं। उन्होंने कहा कि छ्ह्ह डॉ. मोहन यादव ने मेरे यहां भुट्टे खाए थे। समस्या पूछी तो मैंने बताया कि बिजली का स्थायी कनेक्शन नहीं है। पानी के लिए नल नहीं है। इसे लगवा दीजिए।

सीएम ने तब वहां खड़े कलेक्टर को इंतजाम कराने के लिए कहा। उनके जाने के बाद बिजली कंपनी अफसर मेरे यहां आए और कनेक्शन देने के बजाय मेरा बिजली कनेक्शन ही काटकर चले गए। कहा कि ये अवैध है।

मंत्रियों के आश्वासनों का कब मिलेगा जवाब?

गंभीर और संवेदनशील मामलों का जवाब भी नहीं दे रहे अधिकारी

भोपाल। मप्र विधानसभा में मंत्रियों की ओर से सवाल के जवाब देने के लिए दिए गए आश्वासनों की पेंडेंसी लगातार बढ़ती जा रही हैं। इनमें कई गंभीर मामले भी हैं। खासकर भ्रष्टाचार के मामलों पर सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया है। इससे सवाल पूछने वाले विधायक भी असमंजस में फंसे हुए हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि मां रतनगढ़ नहर सिंचाई परियोजना में बिना कार्य हैदराबाद की कंपनी मंटेरा वशिष्ठा माइक्रो जेवी को 412 करोड़ रुपए की राशि का एडवांस भुगतान किए जाने पर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करने के सवाल पर सरकार ने कहा-जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, हैदराबाद की ही मेंटाना कंस्ट्रक्शन कंपनी को किए गए भुगतान में अनियमितताओं का मामला भी पेंडिंग पड़ा हुआ है। खासकर माननीयों ने इस तरह के सवाल सदन में उठाए थे, जिनमें मंत्रियों द्वारा दिए गए आश्वासनों पर कार्रवाई का इंतजार है।

जानकारों का कहना है कि मप्र विधानसभा में विधायकों द्वारा उठाए जा रहे सवालों का जवाब देने में अधिकारियों की रूचि नहीं है। गौरतलब है कि तत्कालीन विधायक कुंवर रविंद्र सिंह तोमर ने विधानसभा में सवाल उठाया था कि मां रतनगढ नहर सिंचाई परियोजना में कार्य किए बिना निर्माण एजेंसी मंटेरा वशिष्ठा माइक्रो जेवी हैदराबाद को 412 करोड़ का भुगतान किए जाने की शिकायत मिलने पर सरकार ने दोषी अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की है। इसके जवाब में विभाग ने कहा-समिति से जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने पर प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। वहीं, सदस्य रहे हर्ष यादव के सवाल सूरजपुरा जलाशय निर्माण एजेंसी को नियम विरुद्ध पूर्ण भुगतान करने वाले अधिकारियों पर क्या कार्रवाई हुई, इसके जवाब में विभाग ने कहा-कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। गुण-दोष के आधार पर कार्यवाही की जाएगी। इस तरह देखा जाए तो एक-दो नहीं, बल्कि सैकड़ों भ्रष्टाचार से जुडें मामले विधायकों द्वारा उठाए जाने के बाद उन्हें आश्वासन के ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

आश्वासनों में अटके कई मामले

मप्र विधानसभा में परंपरा बन गई है कि मंत्री जिन सवालों का जवाब देने का आश्वासन देते हैं उनका अधिकारी जवाब नहीं दे रहे हैं। पूर्व विधायक केपी सिंह कक्काजू ने शिवपुरी जिले में उर परियोजना नहर निर्माण में आने वाले किसानों की जमीनों के मुआवजा भुगतान नहीं होने पर विभाग का जवाब था, भुगतान की कार्यवाही प्रक्रियाधीन । दिनेश राय मुनमुन में हैदराबाद की मेंटाना कंस्ट्रक्शन कंपनी को जल संसाधन विभाग द्वारा भुगतान में अनियमितता पर कार्यवाही के सवाल पर कहा-कार्यवाही नियमानुसार की जा सकेगी। पूर्व सदस्य राकेश मावई ने ग्वालियर, दतिया एवं भिंड जिलों में प्रस्तावित रतनगढ़ नहर परियोजना में हुई अनियमितता की जांच कराया जाना। नियम विरुद्ध भुगतान, जांच प्रतिवेदन पर कार्रवाई की जाएगी। राज्यवर्धन सिंह ने राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ अंतर्गत पार्वती परियोजना से प्रेशराइज्ड पाइप सिंचाई प्रणाली में अनियमितता की जांच कराने पर विभाग ने जवाब दिया, जांच समिति गठित, प्रतिवेदन अपेक्षित। डॉ. हीरालाल अलावा ने मांग की थी कि धार जिले के मनावर विधानसभा क्षेत्र में ग्राम काकडदा से बहदरा, सुरानी, नीलदा, धोलीबाड़ी, पठा-करोदियाखुर्द, जमानिया मोटा, पिपलिया मोटा, मंडावादा से पाडला तक सिंचाई के लिए परियोजनाओं जलाशय नहरों से लाभ दिए जाने और नलजल योजना जलजीवन मिशन के तहत पानी पहुंचाने पर शीघ्र कार्यवाही करने की मांग की गई थी। इस पर मंत्री ने जवाब दिया था सरकार परीक्षण कराएगी। यह आश्वासन अभी तक पूरा नहीं हुआ है। ऐसे करीब सिंचाई परियोजनाओं में भ्रष्टाचार और सिंचाई प्रोजेक्ट प्रारंभ करने के 100 से अधिक आश्वासन जल संसाधन विभाग में पेंडिंग हैं।

7 साल पुराने सवालों के जवाब आज तक नहीं मिले

मप्र देश विधानसभा में सात साल पहले मंत्रियों की ओर से सवाल के जवाब देने के लिए दिए गए आश्वासन अभी तक पेंडिंग हैं। अकेले जल संसाधन विभाग के ही 113 सवालों के जवाब में दिए गए आश्वासन पर सरकार की ओर से अभी तक विधानसभा को अवगत नहीं कराया गया है। इसमें वर्ष 2017 में दिए गए कई आश्वासन भी शामिल हैं। इसे देखते हुए अब विधानसभा सचिवालय ने जल संसाधन विभाग को लंबित आश्वासनों की सूची भेजी है और इसका जल्द से जल्द जवाब भेजने को कहा है। यह विभाग 2020 में कांग्रेस की सरकार गिरने के बाद से अब तक मंत्री तुलसी सिलावट के पास है। सवाल करने वाले कई विधायक 2018 का चुनाव हारने के बाद 2023 में फिर विधायक बन गए हैं जिसमें मुकेश नायक भी शामिल हैं। वहीं, कुछ विधायक पिछले चुनाव में हार के कारण अब पूर्व विधायक बन गए हैं। पन्ना जिले में बांध टूटने के कारण और दोषी अधिकारियों के विरुद्ध जांच को लेकर विधानसभा में सवाल उठा था जिसमें ठेकेदार मेसर्स त्रिशूल कंस्ट्रक्शन जबलपुर से खर्च हुई राशि की वसूली होनी थी। इस मामले में सरकार ने विधानसभा में आश्वासन दिया था कि विभागीय जांच की जा रही है, और ठेकेदार के विरुद्ध निलंबन की कार्यवाही के लिए मुख्य अभियंता धसान केन कछार सागर द्वारा नोटिस जारी किया है। कार्यपालन यंत्री पन्ना ने सिरस्वाहा तालाब निर्माण का एग्रीमेंट अमान्य कर दिया है, और ठेकेदार से राशि की वसूली की जाएगी। फरवरी मार्च 2017 में विधानसभा सत्र के दौरान दिए गए मंत्री के आश्वासन का जवाब अब तक विधानसभा तक नहीं पहुंच सका है। यह बांध 2016 की बारिश में टूटा था और चार गांवों की बस्तियां जल मग्न हो गई थीं। शहडोल जिले के ब्यौहारी तहसील के ग्राम बिजहा में दुधारिया नदी पर सिंचाई परियोजना में किसानों की जमीन अधिग्रहित की गई है लेकिन मुआवजा नहीं दिया है। किसानों की 70.181 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण का यह मामला पूर्व विधायक केदारनाथ शुक्ला ने मार्च 2017 के विधानसभा सत्र में उठाया था। इसका जवाब भी विधानसभा को सरकार अब तक नहीं दे सकी है। पन्ना जिले में बुंदेलखंड पैकेज के अंतर्गत बांध निर्माण और नहरों को बनाने में अनियमितता का मामला विधायक मुकेश नायक ने मार्च 2017 में उठाया था। मंत्री ने आश्वासन दिया था कि कार्यपालन यंत्री और अनुविभागीय अधिकारी व उपयंत्री को सस्पेंड किया है। उनकी विभागीय जांच चल रही है। इस मामले में आगे की कार्रवाई से विधानसभा को अवगत नहीं कराया है। मुकेश नायक ने एक अन्य मामला पन्ना के बिलखुरा और सिरस्वाहा बांध टूटने का उठाया था।

धार में बनेगा कुशाभाऊ ठाकरे का स्मृति स्थल-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रद्धेय ठाकरे जी की जन्म-जयंती पर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनसंघ के संस्थापक सदस्य और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे जी को समर्पित स्मृति स्थल का निर्माण धार में किया जाएगा। साथ ही उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं और विचारों को समाज के सम्मुख लाने के लिए भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में गैलरी विकसित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे की जन्म-जयंती पर कुशाभाऊ ठाकरे सभागार स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यह बात कही। ठाकरे जी की सादगी और न्यूनतम संसाधनों में समाज को अधिकतम योगदान देने की कार्यशैली अनुकरणीय-

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे जी ने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र और समाज के लिए समर्पित किया। उनके निलिप्तता से प्रजातंत्र की स्थापना और सुशासन के लिए किए गए कार्य प्रदेश ही नहीं, देश की धरोहर हैं। उनकी सादगी और न्यूनतम संसाधनों में समाज को अधिकतम योगदान देने की कार्यशैली और संगठन को विस्तार देने की क्षमता सदैव प्रेरणा बनकर सभी का पथ आलोकिक करती रहेगी। सांसद वी.डी. शर्मा ने कहा कि श्रद्धेय ठाकरे जी की शुचिता, परिश्रम और सेवा भाव सबको साथ लेकर चलने की क्षमता और परस्पर सहयोग निधि से संगठन को चलाने व विस्तार देने की कार्य-प्रणाली आदर्श कार्यकर्ता का अद्भुत उदाहरण और हम सबके लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, सांसद आलोक शर्मा, विधायक एवं पूर्व प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, भोपाल महापौर मालती राय सहित जन-प्रतिनिधियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों से हमें सीखना चाहिए-राज्यमंत्री श्रीमती गौर

भोपाल। भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शो से हमे सीखना चाहिए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने सोमवार को जन्माष्टमी पर्व पर भेल स्थित शासकीय महात्मा गांधी सीएम राइज स्कूल में उक्त आशय के विचार व्यक्त किए। मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि जन्माष्टमी का पर्व मनाने बच्चे स्कूल में उपस्थित हुए हैं। बच्चे भगवान का साक्षात रूप होते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हम सभी के लिए अनुकरणीय है। यह पावन पर्व सभी के जीवन में मंगल करे, यही प्रार्थना है। मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण, भगवान विष्णु के 8वें अवतार हैं। उन्होंने कहा कि मित्रता निभाना सीखना है तो भगवान श्रीकृष्ण से सीखो। सच्चे रूप में सामाजिक संरचना बनाने का काम भगवान श्रीकृष्ण ने किया है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर उन्होंने प्रदेश एवं देशवासियों को शुभकामनाएं दी।

हर बूथ पर 200 से अधिक सदस्यों को पार्टी से जोड़कर नया इतिहास रचेंगे : गोविंद सिंह राजपूत

सीहोरा मंडल की सदस्यता अभियान की बैठक में शामिल हुए मंत्री राजपूत, भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए नामुमकिन कुछ भी नहीं

भोपाल। भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है लोकसभा चुनाव में भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत और निष्ठा के बल पर हमने 29 की 29 सीटे जीती है और नया इतिहास रचा है। इसी तरह हमारे देव तुल्य भाजपा कार्यकर्ता सदस्यता अभियान में जो लक्ष्य मिला है उसे सफलतापूर्वक हासिल करके मध्य प्रदेश और सागर का नाम रोशन करेंगे। यह बात खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सीहोरा मंडल में सदस्यता अभियान की बैठक के दौरान कही। श्री राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व ने लोगों का विश्वास जीता है हर व्यक्ति बीजेपी से जुड़ना चाहता है भाजपा की जनकल्याणकारी योजनाओं ने हर वर्ग को लाभ पहुंचाया है सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के कारण सभी लोग भाजपा परिवार का हिस्सा बनना चाहते हैं। हमारे कार्यकर्ताओं को उन तक पहुंचना है मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि इस

अभियान में सभी वर्ग के लोगों को जोड़ना है खासतौर से लाडली बहाने, युवा, बुजुर्ग, व्यापारी रिटायर्ड हो चुके शिक्षक, अधिवक्ता गण आदि तक हमारे कार्यकर्ता पहुंचेंगे उन्हें जोड़ेंगे। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि 1 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदस्यता अभियान की शुरुआत करेंगे 28 और 29 अगस्त शक्ति केंद्रों पर सदस्यता अभियान की बैठक होगी तथा 31 अगस्त को बूथ स्तरों पर यह बैठक होगी। हमारे कार्यकर्ता आम जनता तक पहुंचे और भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों से लोगों को अवगत कराए। हमारे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का लक्ष्य है हर व्यक्ति तक सरकार का लाभ पहुंचे जिसके लिए लगातार कार्य भी किया जा रहे हैं हमारे कार्यकर्ता ही हमारी सरकार की ताकत है जो लोगों तक पहुंचकर हमारी योजनाओं की जानकारी देते हैं मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि इस अभियान से जुड़ने के लिए सिर्फ एक मिस्ड कॉल करना है और जो कोड आएगा उसे वेरीफाई करके आप भाजपा के सदस्य बन सकते हैं इस बार सदस्यता अभियान में हमें नया इतिहास रचना है इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर मेहनत करनी होगी हर बूथ पर 200 से अधिक नए लोगों को जोड़कर सदस्यता अभियान का लक्ष्य हम सब पूरा करेंगे। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष कमल पटेल, प्रदीप पटेल, भगवान सिंह, भगवत शरण, रघुराज ठाकुर, कैलाश यादव, बलराम यादव, जगदीश साहू, धर्मेंद्र आदिवासी, रवि मंगोलिया, सेलट सिंह, जितेंद्र राजपूत, जितेंद्र राय, आनंदी अहिरवार सहित सभी भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दलित वर्गों पर हो रही घटनाओं को रोकने कठोर कानून बने : जीतू पटवारी

भोपाल। प्रदेश की भाजपा सरकार में अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग पर हो रहे अत्याचार, शोषण पर रोक लगाये जाने, आरक्षण व्यवस्था लागू किये जाने सहित अन्य मुद्दों पर मध्यप्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग द्वारा राजधानी भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर भाजपा सरकार के खिलाफ उग्र प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया गया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के मुख्य आतिथ्य में कांग्रेसजनों ने महामहिम के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। विभाग के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार के नेतृत्व में हुये मुख्यमंत्री आवास घेराव कार्यक्रम में वरिष्ठ नेतागण एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जुटे, जिन्होंने दलितों पर हो रहे

अत्याचार के खिलाफ आंदोलन कर प्रदेश सरकार को नींद से जगाने अपनी आवाज को बुलंद किया। किंतु प्रशासन के नुमाइंदो ने तानाशाही सरकार के इशारे पर मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने जा रहे कांग्रेसियों, प्रदर्शनकारियों को वॉटर केनन की बौछार कर पीछे हटने के लिए विवश कर दिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अनुसूचित जाति वर्ग के हितों, उनके संरक्षण और आरक्षण की मांग कर रहे कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के पदाधिकारियों के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुये कहा कि मध्यप्रदेश दलितों पर अत्याचार, दुराचार और अनाचार की राजधानी बन गया हैं। मध्यप्रदेश में पिछले 15 साल से आरक्षित वर्ग पर अनाचार, दुराचार की घटनाएं बढ़ रही हैं, अजा, अजजा वर्ग की बेटियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं होना मप्र सरकार की पहचान बन गई हैं। डॉ. मोहन यादव को मुख्यमंत्री रहना है तो संविधान का पालन करना।

निर्विरोध राज्यसभा सांसद चुने गए जॉर्ज कुरियन

भोपाल। मध्यप्रदेश की राज्यसभा सीट से केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन निर्विरोध सांसद चुने गए। निर्विरोध निर्वाचित होने के बाद जॉर्ज कुरियन प्रमाण पत्र लेने पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा की मौजूदगी में प्रमाण पत्र लिया। इस दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि- जॉर्ज कुरियन का एमपी से चुना जाना एमपी के विकास में नए आयाम स्थापित होंगे। एमपी के डेयरी उद्योग को बढ़ाने में भी जोड़ कुरियन की बड़ी भूमिका रहेगी। मुख्यमंत्रीडॉ मोहन ने कहा कि- हम सब के लिए सौभाग्य की बात है कि पीएम मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जिम्मेदारी दी। एमपी और केरल का नाता और गहरा हुआ है। ये आनंद की बात है कि जॉर्ज कुरियन निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। जॉर्ज कुरियन ने कहा कि- आज मैं राज्यसभा में चुना गया।पार्टी के केंद्रीय और राज्य के नेतृत्व को धन्यवाद देना चाहता हूं। केरल लैंडसाइड में मोहन यादव ने 20 करोड़ की सहायता दी है इसके लिए केरल के लोगों की ओर से धन्यवाद देता हूं।

प्रदेश के 3 शिक्षकों को मिला राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

भोपाल। प्रदेश के 3 शिक्षकों को वर्ष 2024 का राष्ट्रीय शिक्षक अवार्ड मिला है। यह घोषणा केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा की गई है। मध्यप्रदेश के जिन 3 शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार के लिये चयनित किया गया है, उनमें श्री माधव प्रसाद पटेल शिक्षक शासकीय मिडिल स्कूल लिधौरा जिला दमोह और सुश्री सुनीता गोधा शासकीय हाई स्कूल खजुरिया सारंग जिला मंदसौर हैं। इसके अतिरिक्त डिण्डोरी जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय धामनगांव की शिक्षिका श्रीमती सुनीता गुप्ता को भी राष्ट्रीय स्तर का शिक्षक सम्मान मिला है। राष्ट्रीय स्तर का शिक्षक सम्मान समारोह नई दिल्ली में 5 सितम्बर शिक्षक दिवस पर होगा। चयनित हुए शिक्षकों को रजत पदक, प्रशस्ति-पत्र और 50 हजार रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जायेगी। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि श्रेष्ठ कार्य करने वाले शिक्षकों की मेहनत का हमेशा सम्मान किया जाता है।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण में भोपाल फिसड्डी

भोपाल। प्रदेश में 18 जुलाई से राजस्व महा-अभियान 2.0 चल रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि 45 दिन तक राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण एवं राजस्व अभिलेख त्रुटियों को ठीक किया जाए। इस महाअभियान में प्रदेशभर के अधिकारी-कर्मचारी जुटे हुए हैं। इस बीच राजस्व प्रकरणों के निराकरण की रैंकिंग जारी की गई है।

इसमें हैरानी वाली बात यह है कि राजधानी भोपाल 16 पायदान फिसलकर 27 वें स्थान पर आ गया है। राजस्व प्रकरणों के निराकरण में भोपाल के फिसड्डी होने पर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने अधिकारियों-कर्मचारियों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तलब की है। गौरतलब है कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण में भोपाल जिला पहिले 11 वें पायदान पर था, लेकिन अब से 27 वें पायदान पर आ गया है। जानकारों का कहना है कि सर्वर में बार-बार खराबी और केवायसी-नक्शा अपडेशन करने संबंधी प्रकरणों ने एक बार फिर भोपाल को प्रदेश में रैंकिंग के मामले में पीछे धकेल दिया है। इसके चलते राजस्व प्रकरणों की पेंडेंसी फिर बढ़ने लगी है। हालात यह हैं कि दो हफ्ते में लंबित प्रकरणों के निराकरण में भोपाल जिला 11 वीं रैंक से फिसलकर 27 पर आ गया है। यह तब है, जबकि लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए सरकार 18 जुलाई से राजस्व महाअभियान चला रही है।

केवायसी-नक्शा अपडेट में अधिक दिक्कत-जानकारी अनुसार सबसे अधिक दिक्कत केवायसी और नक्शा अपडेट करने संबंधी प्रकरणों में आ रही है। इन दोनों के प्रकरण ही सर्वाधिक लंबित हैं। राजस्व महा अभियान शुरू होने से पहले जिले में ई-केवायसी के 3.48 लाख और नक्शा अपडेशन के 2.10 प्रकरण लंबित थे। आरसीएमएस पोर्टल के मुताबिक 19 अगस्त तक 32 दिनों में ई-केवायसी के 45194 प्रकरण ही निपटाए गए हैं। अब भी 304814 प्रकरण पेंडिंग हैं। इसी तरह नक्शा अद्यतन करने के 2.10 लाख प्रकरण थे। अभियान के दौरान 29571 प्रकरणों निपटाए गए।

कृष्ण भक्ति में डूबी

तमन्ना भाटिया, राधारानी का रूप धर रचाया रास

कल पूरे देश-दुनिया ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी बड़े धूमधाम से मनाया और आज भी मना रहे हैं। बृज गलियों में तो एक महीना तक नंदोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। हर कोई अपने-अपने तरीके इस खास दिन को मना रहा है। इसी खास मौके पर लोग सोशल मीडिया पर राधा-कृष्ण की भक्ति में लीन तस्वीरें शेयर कर रहे हैं। सेलेब्स भी इस मौके पर पीछे नहीं हैं। हाल ही में एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने भी अपने इंस्टाग्राम पर कृष्ण की भक्ति में डूबी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में तमन्ना राधारानी के रूप में नजर आ रही हैं और वो राधारानी बनकर रास भी करती नजर आईं। हालांकि, उनकी ये फोटो-वीडियो ज्यादातर यूजर्स पर पसंद नहीं आ रही है। कृष्ण भक्तों ने एक्ट्रेस की इन तस्वीरों और वीडियो पर आपत्ति जताई है। साथ ही एक्ट्रेस से अपील की जा रही है कि वो फोटोज को अपने इंस्टाग्राम स हटा दें। इतना ही नहीं, तमन्ना ट्रोल्स के निशाने पर भी आ गई हैं। 'स्त्री 2' की सफलता के बाद तमन्ना ने फेमस फैशन डिजाइनर करण तोरानी के नए कलेक्शन के लिए ये फोटोशूट करवाया है।

तमन्ना ने फैशन डिजाइनर करण तोरानी के नए कलेक्शन 'लीला: द इल्यूजन ऑफ लव' के लिए राधा का लुक अपनाया है। इस फोटोशूट में राधा रानी और कृष्ण के प्रेम को दर्शाया गया है। तमन्ना का ये नया फोटोशूट राधा-कृष्ण की थीम पर आधारित है। राधा के लुक में उनकी खूबसूरती देखकर जहां एक्ट्रेस के फैंस हैरान रह गए, तो कुछ उनको ट्रोल कर रहे हैं। तमन्ना ने ये सभी फोटो-वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं और इसे अपने 18 साल के करियर का सबसे अच्छा कैंपेन बताया है। शेयर की गई फोटोज में तमन्ना के साथ एक शख्स भी नजर आ रहे हैं, जो कृष्ण बने हुए हैं। ●

क्या 59 की उम्र में तीसरी

शादी करेंगे आमिर खान

आमिर खान बॉलीवुड के वो स्टार हैं, जो साल में एक ही फिल्म पर्दे पर लेकर आते हैं और वो सुपरहिट साबित होती हैं, लेकिन पिछले कुछ सालों से अभिनेता कि किस्मत पर्दे पर उनका साथ नहीं दे पा रही है। साल 2022 में उनकी मूवी लाल सिंह चड्ढा फ्लॉप हुई। उससे पहले वो कटरीना कैफ के साथ ठग ऑफ हिंदुस्तान में दिखाई दिए थे, जिसे लोगों ने बिल्कुल भी पसंद नहीं किया। आमिर न सिर्फ फिल्मों में ही फ्लॉप साबित हो रहे हैं बल्कि उनकी पर्सनल लाइफ में भी पिछले दो तीन साल से अकेले हैं। उन्होंने अपनी दूसरी वाइफ किरण राव संग 2021 में तलाक का एलान किया था। अब उन्होंने अपनी तीसरी शादी के सवाल पर चुप्पी तोड़ी है। किरण राव संग तलाक के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने कयास लगाए थे कि अभिनेता जल्द तीसरी शादी करेंगे। इसलिए उन्होंने किरण से तलाक लिया है। अब सालों बाद उन्होंने लोगों के इन सवालों का जवाब दिया है, जो रिया चक्रवर्ती ने अभिनेता ने अपने शो में पूछा है। आमिर खान ने कहा, शादी एक कैनवास है और यह दो लोगों पर निर्भर करता है कि वे इसे कैसे रंगते हैं। ऐसे में जब एक्ट्रेस ने उनसे पूछा कि आप क्या वह दोबारा शादी करने को तैयार होंगे? इसपर उन्होंने कहा, मैं अब 59 साल का हूं, मुझे नहीं लगता कि मैं दोबारा शादी कर पाऊंगा। मुश्किल लग रहा है मुझे। इस वक्त मेरी जिंदगी में बहुत रिश्ते हैं। मैं फिर से अपने परिवार से जुड़ गया हूं, मेरे बच्चे हैं और मेरे भाई-बहन इसमें शामिल हैं। ●

इन योगाभ्यासों से दूर करें आर्थराइटिस की समस्या

जीवनशैली और आहार में गड़बड़ी के कारण पिछले कुछ वर्षों में लोगों में हड्डियों से संबंधित बीमारियों का जोखिम काफी अधिक बढ़ गया है। इसमें भी गठिया और रीढ़ की हड्डी से संबंधित दिक्कतें लोगों में काफी अधिक देखी जा रही हैं। आश्चर्यजनक बात यह है कि आर्थराइटिस जैसी जिन समस्याओं को एक दशक पहले तक उम्र बढ़ने के साथ होने वाली दिक्कत माना जात था, वहीं कम उम्र के लोग भी अब इस समस्या से ग्रसित देखे जा रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक समय के साथ लोगों में घटती शारीरिक निष्क्रियता को इसका प्रमुख कारण माना जाता सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक आर्थराइटिस हो या रीढ़ की हड्डी से जुड़ी दिक्कतें, योग का नियमित अभ्यास करना इन सभी समस्याओं से आपको छुटकारा दिला सकता है। कई योगासन ऐसे हैं जो शरीर के लचीलेपन और जोड़ों की समस्याओं में बेहद कारगर माने जाते हैं। ऐसे में यदि आपको भी हड्डियों से संबंधित दिक्कतों का अनुभव हो रहा है तो अभी से इन योगसनों का अभ्यास शुरू कर दें। कुछ ही महीनों में आपको इसके लाभ दिखने लगेंगे।

कोबरा पोज योग

कोबरा पोज या भुजंगासन योग के अभ्यास को हड्डियों और जोड़ों की मजबूती के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। योग विशेषज्ञों के मुताबिक इसका नियमित अभ्यास रीढ़ और कमर की हड्डी को मजबूती देने और शरीर के लचीलेपन को बढ़ावा देने में भी सहायक है। जिन लोगों को रीढ़ से संबंधित समस्या या फिर पीठ के निचले हिस्से में अक्सर दर्द बनी रहती है। उनके लिए कोबरा पोज योग का रोजाना अभ्यास करना काफी फायदेमंद हो सकता है।

ब्रिज पोज योग

कूल्हों, कमर और घुटनों के जोड़ और मांसपेशियों के लिए ब्रिज पोज या सेतुबंधासन योग के अभ्यास को काफी फायदेमंद माना जाता है। विशेषकर कमर दर्द की समस्या से परेशान लोगों के लिए यह योग काफी लाभदायक हो सकता है। इस योगासन को करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं। अपने पैरों को कंधे की चौड़ाई से थोड़ा अलग करते हुए घुटनों को मोड़ लें। हथेलियों को खोलते हुए हाथ को बिल्कुल सीधा जमीन पर सटा कर रखें। अब सांस लेते हुए कमर के हिस्से को ऊपर की ओर उठाएं, कंधे और सिर को सपाट जमीन पर ही रखें। सांस छोड़ते हुए दोबारा से पूर्ववत स्थिति में आ जाएं।

वीरभद्रासन

शरीर के सभी जोड़ों के बेहतर स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए वीरभद्रासन योग को सबसे लाभदायक माना जाता है। कूल्हे, घुटने और फ्रंट लेग की हड्डियों को मजबूती देने और शरीर के लचीलेपन को सुधारने में इस योग का अभ्यास लाभदायक माना जाता है। वीरभद्रासन योग न सिर्फ हड्डियों के लिए फायदेमंद है साथ ही शरीर में रक्त के संचार को बेहतर करने में भी इस योग को काफी फायदेमंद माना जाता है। नियमित रूप से इसका अभ्यास करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

गर्दन के रिंकल्स को यूं करें दूर

चेहरा खूबसूरत होने के साथ ही गर्दन भी आकर्षक दिखनी चाहिए, तभी लुक कंप्लीट दिखता है। बढ़ती उम्र का असर सिर्फ चेहरे तक ही सीमित नहीं रहता यह गर्दन पर भी नजर आता है तो इसे कम करने में मदद करता हैं ये टिप्स।

जरूरी है एक्सफोलिएशन

एक्सफोलिएशन सिर्फ एक ही हिस्से के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी बॉडी के लिए जरूरी है। एक्सफोलिएशन की मदद से गर्दन की डेड स्किन से गंदगी हटाने में मदद मिलती है। ऐसा करने से गर्दन की रंगत निखर जाती है। आप चाहें तो घर पर भी एक्सफोलिएशन मास्क बनाकर लगा सकती हैं। इसे 2-3 मिनट और सप्ताह में दो बार करें। उसके बाद त्वचा के अनुसार मॉयस्चराइजर अप्लाई करें।

लगाएं एंटी-एजिंग सीरम

झुर्रियों को कम करने के लिए रात को सोने से पहले एंटी-एजिंग सीरम का इस्तेमाल करें। रात के समय गर्दन पर सीरम से मसाज करें। रेटिनॉल, विटमिन-सी या नियासिनगाइड अच्छे एंटी-एजिंग सीरम हैं, जो रातों-रात आपकी गर्दन पर त्वचा की मरम्मत और कायाकल्प करने में मदद कर सकते हैं।

सनस्क्रीन की न करें अनदेखी

सनस्क्रीन को न सिर्फ चेहरे पर, बल्कि गर्दन पर भी लगाएं। हमेशा एसपीएफ 30 का सनस्क्रीन ही खरीदें। इससे झुर्रियां, टैनिंग, सन स्पॉट दूर रहते हैं। इसे गर्दन के सामने और पीछे की ओर जरूर लगाएं।

नेक मसाज करें

गर्दन की मसाज को जरूर रूटीन में शामिल करें। हफ्ते में दो से तीन बार अपनी गर्दन पर तेल की मालिश जरूर करें। कैमोमाइल, नारियल और बादाम तेल से ही मालिश करें। तेल लगाने के बाद हाथों से ऊपर की तरफ मालिश करें, इससे आपकी गर्दन मुलायम और हाइड्रेट रहेगी।

कई बीमारियों को दूर करता है देशी घी

वर्षों से घी, हमारे किचन का अभिन्न हिस्सा रही है। व्यंजनों के स्वाद बढ़ाने से लेकर कई बीमारियों के इलाज के लिए इसे प्रयोग में लाया जाता रहा है। घी को तमाम पोषक तत्वों और विटामिन्स का स्रोत माना जाता है जिसके सेवन से शरीर को कई तरह के स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। दादी-नानी के घरेलू नुस्खों में भी घी का स्थान काफी महत्वपूर्ण रहा है। कई स्वास्थ्य समस्याओं के घरेलू उपचार के रूप में आपने भी घी के लाभ के बारे में सुना होगा। घी के सेवन से कई आश्चर्यजनक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सकते हैं, जो इसे आयुर्वेद के सबसे मूल्यवान खाद्य पदार्थों में से एक बनाता है। अध्ययनों से पता चलता है कि घी विटामिन ए, विटामिन-ई और विटामिन-के से भी भरपूर होता है। इसमें हेल्दी फैट की मात्रा भी पाई जाती है। जो इसे सेहत के लिहाज से काफी खास बनाती है। किन स्वास्थ्य समस्याओं को ठीक करने में घी का सेवन करना आपके लिए बहुत लाभकारी हो सकता है।

पाचन की समस्या को दूर करता है

जिन लोगों को अक्सर पाचन तंत्र से संबंधित दिक्कतें बनी रहती हैं, उनके लिए घी का सेवन सबसे बेहतर घरेलू इलाज हो सकता है। घी ब्यूटिरिक एसिड का अच्छा स्रोत होता है, जो आंतों की दीवारों को मजबूत बनाने में मदद करता है। घी में मौजूद एसिड, मेटाबॉलिज्म और आंत के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। दैनिक आहार में घी को शामिल करने से शरीर में सूजन को कम करने और पाचन तंत्र को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है।

वजन घटाने में

घी को आमतौर पर वजन बढ़ाने वाला खाद्य पदार्थ माना जाता रहा है, पर क्या आप जानते हैं कि वजन कम करने की कोशिशों में लगे लोगों के लिए यह रामबाण हो सकता है। घी में मिल्क प्रोटीन की मात्रा होती है, जिसमें अमीनो एसिड, ओमेगा-3 और ओमेगा फैटी एसिड होते हैं जो मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाए रखने में सहायक हैं।

खांसी - जुकाम में फायदेमंद

अगर आप भी अक्सर खांसी-जुकाम की समस्या से परेशान रहते हैं तो घी का सेवन करना आपको इन समस्याओं से छुटकारा दिला सकता है। हल्के गुनगुने घी की कुछ बूंदें नाक में डालने से सर्दी, खांसी और बंद नाक की समस्या में लाभ मिल सकता है।

बालों को रखता है स्वस्थ

अगर आपके बाल भी रूखे और अस्वस्थ बने रहते हैं तो घी इसमें आपकी मदद कर सकती है। दो बड़े चम्मच घी में एक बड़ा चम्मच जैतून का तेल और कोल्ड प्रेस्ड नारियल का तेल मिलाकर इसे गर्म करें और बालों में लगाकर रात भर के लिए छोड़ दें। सुबह इसे धो लें। घी में मौजूद मिल्क प्रोटीन बालों की जड़ों को मजबूत करने और खोई हुई चमक को वापस लाने में सहायक है।

आयरन की कमी से होता है हाथ-पैरों में दर्द

शरीर को स्वस्थ और फिट बनाए रखने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन करना सबसे आवश्यक माना जाता है। पौष्टिक आहार का मतलब, ऐसी चीजों का सेवन जिससे शरीर के लिए आवश्यक मैक्रोन्यूट्रिएंट्स की आसानी से पूर्ति की जा सके। जब हम स्वस्थ शरीर की बात करते हैं, तो इसके लिए कुछ पोषक तत्वों की सबसे अधिक आवश्यकता होती है-आयरन उनमें से एक है। हीमोग्लोबिन, लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला एक प्रोटीन है जो फेफड़ों से ऑक्सीजन को पूरे शरीर के ऊतकों और अंगों तक पहुंचाता है। यदि शरीर में आयरन की कमी हो जाए तो ऊतकों तक ऑक्सीजन पहुंचने में दिक्कत हो सकती है, जो सेहत के लिए गंभीर समस्याओं का कारण बनती है। शरीर में आयरन की कमी का पता लगाने के लिए आमतौर पर खून की जांच कराने की सलाह दी जाती है, पर क्या आप जानते हैं कि शरीर में दिखने वाले कुछ संकेतों के आधार पर भी आसानी से इसका पता लगाया जा सकता है। आइए हाथों और पैरों में आयरन की कमी के कारण दिखने वाले संकेतों के बारे में जानते हैं। जिनके आधार पर समस्या का आसानी से निदान किया जा सकता है। आयरन की कमी के कारण लोगों को एनीमिया की समस्या हो सकती है। अक्सर प्रारंभिक अवस्था में लोगों का इस तरफ ध्यान नहीं जाता है। जिसके कारण बाद में गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। आयरन की कमी के एनीमिया से संबंधित इन लक्षणों पर सभी को विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

त्वचा में पीलापन

दुर्बलता और कमजोरी
सिर दर्द-चक्कर आना
अत्यधिक थकान महसूस करते रहना।
शरीर में सूजन, जीभ में दर्द बना रहना
भूख कम लगना।
हाथों-पैरों का ठंडा हो जाना

आयरन की पूर्ति को करें दूर

अध्ययनों से पता चलता है कि यदि हम अपने आहार को सही कर लें तो शरीर में आयरन की कमी को आसानी से पूरा किया जा सकता है। इसके लिए उन चीजों का अधिक से अधिक सेवन किया जाना चाहिए जिसमें आयरन की मात्रा अधिक होती है। रेड मीट और पोल्ट्री, समुद्री भोजन, बीन्स, गहरी हरी पत्तेदार सब्जियां, जैसे पालक, सूखे मेवे, जैसे किशमिश और खुबानी आदि को आयरन का अच्छा स्रोत माना जाता है। आहार में इन चीजों को जरूर शामिल किया जाना चाहिए।

हर विकासखंड के एक गांव को बनाएंगे बरसाना, जहां श्रीकृष्ण के आदर्शों और सिद्धांतों का होगा प्रसार-सीएम मोहन यादव

इंदौर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के एक दिन पहले रविवार को दशहरा मैदान में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में अनोखा आयोजन हुआ। इसमें बड़ी संख्या में कन्हैया बने बच्चे यशोदा बनी मां के साथ पहुंचे थे। उत्साह ऐसा था कि भारी वर्षा के बावजूद पंडाल में पैर रखने तक की जगह नहीं थी। तेज वर्षा के बीच मुख्यमंत्री ने कान्हाओं पर पुष्पवर्षा की। वहीं उन्होंने हर एक विकासखंड के एक गांव को बरसाना बनाने की घोषणा भी की।

कार्यक्रम स्थल को भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं से चित्रित और सजाया गया था। मंच के एक ओर कृष्ण भक्तियुक्त भजन सुनाए जा रहे थे, जिन पर महिलाएं नृत्य कर रही थीं। करीब 11.40 बजे मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंच पर पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले पंडाल में बने रेंप से सभी दूर जाकर बच्चों पर पुष्पवर्षा की। सभी बच्चों को माखन खिलाया गया। पंडाल में मटकी फोड़ आयोजन भी हुआ। कार्यक्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित कई जनप्रतिनिधि और नागरिक मौजूद थे।

श्रीकृष्ण ने प्रकृति से प्रेम करना सिखाया है

उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण के जीवन से हमें सीख लेनी चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण कोमलता, धैर्य, करूणा और प्रेम की प्रतिमूर्ति हैं। वे मानव जाति की रक्षा के प्रतीक भी हैं। श्रीकृष्ण ने प्रकृति से प्रेम करना सिखाया है। ग्रामीण संस्कृति को बढ़ावा दिया है। माखन, दूध, दही को स्वास्थ्य रक्षक के रूप में प्रतिष्ठित किया है। इस आयोजन की तरह अब हर तीज, त्योहार और पर्व हर्षोल्लास के साथ आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान डा. यादव ने गोविंदा आला रे आला, जरा मटकी संभाल बृजबाला भजन भी सुनाया। इसके बाद हाथी घोड़ा पालकी-जय कन्हैया लाल की पर जयकारे भी लगाए। कार्यक्रम में प्रसिद्ध बांसुरी वादक बल्लू ने बांसुरी वादन कर पूरे पंडाल का दिल जीत लिया।

भगवान को भेंट की बांसुरी

गीता भवन पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान कृष्ण का जीवन कर्म प्रधान रहा है। उन्होंने अलग-अलग लीलाओं के माध्यम से कर्म की प्रधानता को रखा है। इंदौर में हर घर कृष्ण हर मां यशोदा की पहल अनूठी है। सबसे पहले उन्होंने गीता भवन में कृष्ण पूजन किया। फिर बांसुरी भेंट की। गीता भवन ट्रस्ट की ओर से उन्हें भगवान राधा-कृष्ण की मूर्तियां भेंटकर स्वागत किया गया।

पुराने नालों का होगा सर्वे करें, अतिक्रमण हटाए जाएंगे, कलेक्टर ने दिए निर्देश

इंदौर। शहर के पुराने नालों का सर्वे करें। नालों से अतिक्रमण हटाएं। जिन क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति गंभीर है वहां युद्ध स्तर पर स्टार्म वाटर लाइन डाली जाए। चैंबर नहीं हैं तो चैंबर बनाएं। यह दिशा निर्देश कलेक्टर आशीषसिंह और निगमायुक्त शिवम वर्मा ने रविवार देर शाम शहर में जलजमाव की समस्या को लेकर सभी विभागों की महत्वपूर्ण बैठक में दिए। बैठक में जलजमाव से प्रभावित क्षेत्रों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए इस समस्या के स्थाई हल के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मीक्षा बैठक में विजय नगर क्षेत्र के जोनल अधिकारी ने बताया कि रेडिसन चौराहा की ओर से आने वाला पानी ढलान की वजह से विजय नगर चौराहा पर पानी जमा हो जाता है। वहां जल निकासी अत्यंत धीरे होती है। इस वजह से यातायात प्रभावित होता है। इसी तरह बीआरटीएस, एबी रोड पर जलजमाव की मुख्य वजह रिंग रोड के विभिन्न क्षेत्रों से पानी का बीआरटीएस की ओर बढ़ना है। इस पर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि रिंग रोड का पानी डाइवर्ट करें। जोनल अधिकारी ने बताया कि वेलोसिटी के पास नाले पर अतिक्रमण है। जल निकासी में बाधा होती है। निगमायुक्त ने नाले पर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए।

युद्ध स्तर पर डलेगी स्टॉर्म वाटर लाइन- कलेक्टर और निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में जलजमाव की गंभीर समस्या है और स्टॉर्म वाटर लाइन नहीं है वहां युद्ध स्तर पर स्टॉर्म वाटर लाइन डाली जाए। इसी तरह जहां चैंबर नहीं हैं वहां चैंबर बनाए जाएं। कलेक्टर ने सभी एसडीएम और राजस्व अधिकारियों से कहा कि शहर के पुराने नालों की वर्तमान स्थिति का रिकॉर्ड जांचे और नालों पर से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाई करें।

सभी विभाग समन्वय से काम करें- बैठक में निर्णय लिया गया कि वर्षा के मौसम में जलभराव से निपटने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करेंगे। प्रभावित क्षेत्रों में जरूरी संसाधनों और उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में शहर के प्रमुख चौराहों और उन स्थानों का गहन समीक्षा की, जहां जलजमाव की समस्या उत्पन्न होती है।

इनमें विजय नगर चौराहा, सत्य साईं चौराहा, रॉबर्ट चौराहा, सयाजी चौराहा, इंडस्ट्री हाउस चौराहा, एलआइजी चौराहा, तीन इमली चौराहा, खजराना ब्रिज, पलसीकर चौराहा, मधुमिलन चौराहा, चंदन नगर चौराहा, न्याय नगर, बीआरटीएस तथा अन्य स्थान शामिल हैं।

हॉट स्पॉट पर गश्त नहीं करती पुलिस, कॉलोनियों में चोरी की घटनाएं बढ़ीं

इंदौर। शहर में पुलिस की गश्त में खूब लापरवाही हो रही है। पुलिस वाले चुनिंदा जगहों पर ही गश्त करते हैं। इस कारण चोरी की वारदातें बढ़ रही हैं। यह गड़बड़ी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने पकड़ी है। इस पर डीसीपी ने सभी थाना प्रभारियों को चेताया है और प्रत्येक कॉलोनियों के हाट स्पाट बनाए हैं। जोन-2 के डीसीपी अभिनय विश्वकर्मा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की सहायता से एक टूल बनाया है जो रात्रि गश्त की निगरानी कर रहा है। पुलिसकर्मी कब-कब कहां गए और कितनी देर रुके इसकी सारी रिपोर्ट इस सिस्टम से मिल जाती है। किस-किस क्षेत्र में गश्त नहीं हुई इसका ब्योरा भी एक क्लिक पर मिल जाता है। प्रत्येक कालोनी में 40 से ज्यादा हॉटस्पॉट बनाए हैं जहां गश्त करना अनिवार्य है। इसमें बैंक, एटीएम, मार्केट, भीड़वाले क्षेत्र, वीआईपी क्षेत्र शामिल हैं। डीसीपी के मुताबिक पुलिस बल की कमी के कारण भी गश्त में समस्या आ रही है। पुलिसकर्मियों की हर दूसरे दिन गश्त लग रही है। हमने एबीसीडी सिस्टम तैयार किया है। इससे पुलिसकर्मियों को राहत मिलेगी और गश्त में भी सुधार होगा।

इंदौर की 1100 बिल्डिंग में से केवल 100 के बेसमेंट में पार्किंग, बाकी में है अतिक्रमण

इंदौर। इंदौर नगर निगम के सर्वे में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि शहर में 1100 बेसमेंट में से 1000 में किसी न किसी तरह का अतिक्रमण है। केवल 100 ही बेसमेंट ऐसे हैं, जिनमें वाहन पार्क किए जा रहे हैं। यह दोहराने की आवश्यकता नहीं कि बेसमेंट वाहनों की पार्किंग के लिए बनाए जाते हैं, लेकिन इंदौर में 90 फीसदी से अधिक बेसमेंट अतिक्रमण के कब्जे में हैं। दिल्ली के बेसमेंट में पानी घुसने से तीन युवाओं की मौत के बाद इंदौर नगर निगम द्वारा किए गए सर्वे में यह जानकारी सामने आई है। बेसमेंट में कहीं दुकानें चल रही हैं तो कहीं अस्पताल, किसी बेसमेंट में रेस्टारेंट चल रहा है, तो कहीं कोचिंग क्लास। नगर निगम अब इन बेसमेंट में चल रही व्यावसायिक गतिविधियों को बंद करवाकर इनका उपयोग पार्किंग के लिए सुनिश्चित करवाएगा।

अब लगेगा प्रतिबंध-इंदौर नगर निगम के अपर आयुक्त सिद्धार्थ जैन ने बताया कि बेसमेंट में पार्किंग के स्थान पर अन्य गतिविधियां संचालित करने वाले भवनों के सर्वेक्षण का कार्य सतत जारी है। जिन स्थानों पर बेसमेंट में कोचिंग क्लासेस संचालित होते मिली थीं, उन्हें बंद करवाया जा चुका है। अब तक सर्वे में जहां दुकानें, अस्पताल, मार्केट व अन्य व्यावसायिक गतिविधियां चल रही हैं, उन्हें बंद करवाया जाएगा।

एक माह का समय दिया-इंदौर नगर निगम ने बेसमेंट में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने वालों को 10 दिन पहले सार्वजनिक सूचना पत्र जारी किया था। पत्र में बेसमेंट में व्यावसायिक गतिविधि बंद करने और बेसमेंट का उपयोग पार्किंग के लिए सुनिश्चित करने को कहा था। एक माह समाप्त होते ही उन बेसमेंट के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, जहां पार्किंग के बजाय व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)